an>

Title: Regarding the living condition of children in refugee camps in the country.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : अध्यक्ष महोदया, पाकिस्तान और बंगलादेश से उत्पीड़न के शिकार होकर जो लोग बड़ी संख्या में हमारे देश में शरणार्थी बनकर आते हैं, मैं उन शरणार्थियों की कठिनाइयों के संबंध में विÂ◌ाय उठाना चाहता हूं। ...(व्यवधान) उनके साथ वहां धार्मिक भेदभाव किया जाता है। ...(व्यवधान) उन्हें तरह-तरह से उत्पीड़ित किया जाता है।...(व्यवधान) उनकी बहन, बेटियों को बेइज्जत किया जाता है। उनकी जमीन, मकान छीन लिए जाते हैं। ...(व्यवधान) बंगलादेश में जो हिन्दू रहते हैं, उनके साथ जो ज्यादती होती है, बंगलादेश की एक लेखिका ने 'लज्जा' नामक उपन्यास में उसका बहुत अच्छा विवरण किया है। ...(व्यवधान) इसी कारण उस लेखिका को बंगलादेश से निर्वासित जीवन जीना पड़ रहा है। ...(व्यवधान) इसके विपरीत बहुत बड़ी संख्या में लोग घुसपैठ करके हमारे देश में आ रहे हैं और राजनीतिक लाभ के चलते सीमावर्ती राज्यों में उन्हें वोट बैंक की खातिर उन राज्यों में नागरिकता दे दी जाती है।...(व्यवधान) उनके राशन कार्ड बन जाते हैं, वोटर कार्ड भी बन जाते हैं। ...(व्यवधान) किन्तु जो लोग वीज़ा लेकर धार्मिक स्थानों पर यात्रा करने आते हैं, जब उनके वीज़ा की समयावधि समाप्त हो जाती है, तो उनके ऊपर प्रशासनिक दबाव बनाया जाता है। ...(व्यवधान) उन्हें वापिस जाने के लिए बाध्य किया जाता है। ...(व्यवधान) पुलिस उन्हें तरह-तरह से परेशान करती है, विशेÂ◌ा रूप से गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में बहुत बड़ी संख्या में शरणार्थी आते हैं। ...(व्यवधान) यहां आने के बाद जब उन्हें वापिस जाने के लिए बोला जाता है, तो वे अपना दर्द इन शब्दों में व्यक्त करते हैं कि भले ही आप हमें मार दो, हमारी जान ले लो, लेकिन हम पाकिस्तान और बंगलादेश वापिस नहीं जाना चाहते। ...(व्यवधान) उनके बच्चे भी वीज़ा की अवधि नहीं बढ़ाए जाने से मानवीय अधिकारों और शिक्षा के अधिकारों से वंचित हो रहे हैं। अंतर्राÂट्रीय कानून भी कहता है कि बच्चा जहां पैदा हो, उसे वहां की नागरिकता मिलनी चाहिए।...(व्यवधान) उसकी वीज़ा अवधि बढ़ाई जानी चाहिए। अगर कोई दम्पत्ति हवाई जहाज में जा रहा है और हवाई जहाज में उसका बच्चा पैदा हो जाए तो जिस देश की सीमा के ऊपर से हवाई जहाज जाता है, उसे वहां की नागरिकता मिलनी चाहिए।...(व्यवधान) लेकिन हमारे देश में शरणार्थियों के बच्चे बड़ी संख्या में परेशान हो रहे हैं। ...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से सदन से अनुरोध करना चाहता हूं कि पाकिस्तान और बंगलादेश से आने वाले शरणार्थियों को नागरिकता दी जाए, उनकी वीज़ा अवधि बढ़ाई जाए और मानवीय अधिकारों से उन्हें यहां संरक्षण दिया जाए ताकि उनके वोटर कार्ड बन सकें, राशन कार्ड बन सकें और वे सामान्य नागरिकों की भांति यहां सम्मानजनक जीवन जी सकें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : कुंवर पुÂपेंद्र सिंह चंदेल, श्री सुधीर गुप्ता, श्री निशिकांत दूबे, श्री प्रह्लाद सिंह पटेल, श्री पी.पी. चौधरी और श्री भैरो प्रसाद मिश्र को डॉ वीरेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विÂ◌ाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।